कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

विषय:

- परिचय
- अभियांत्रिक कौशल तथा निर्माण कार्य
- मंदिरों, मस्जिदों और हाजो का निर्माण

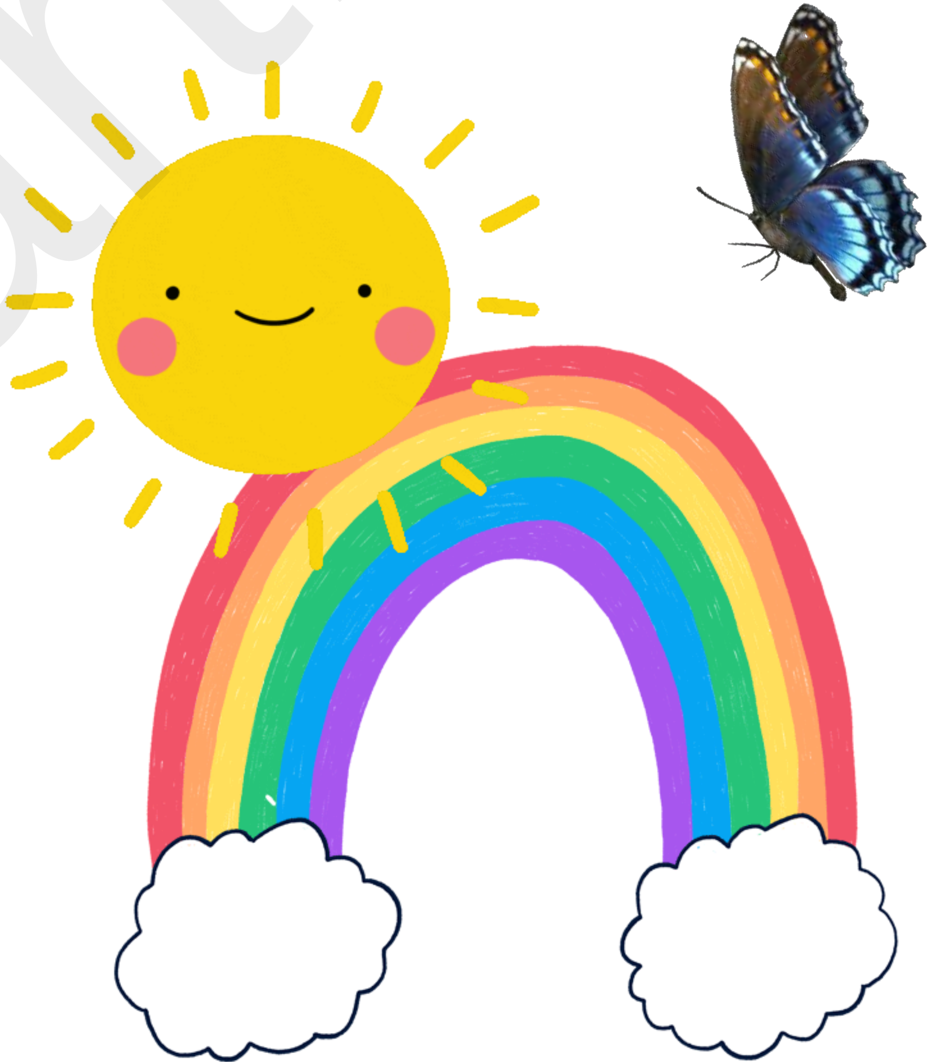

evidyarthi

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

- मंदिरों को क्यों नष्ट किया गया?
- बाग, मकबरे और किले
- क्षेत्र व सामाज्य

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

परिचय

- कुतुब मीनार का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1199 में करवाया था।
- इसमें शिलालेख अरबी में ज्यामितीय डिजाइन के साथ लिखे गए हैं, मीनार की सतह घुमावदार और कोणीय है। इसे पूर्णता और कुशल शिल्प कौशल के साथ बनाया गया था।
- 800 वर्षों में बहुत कम इमारतें ईंटों और पत्थरों से बनी हैं।

आगरा किले के निर्माण में लगा श्रम

अकबर द्वारा निर्मित आगरा किले के निर्माण हेतु 2,000 पत्थर काटने वालों, 2,000 सीमेंट व चूना बनाने वालों तथा 8,000 मज़दूरों की आवश्यकता पड़ी।

evidyarthi

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

कुतुब मीनार

शिलालेख

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

- 8वीं से 18वीं के बीच। राजाओं और उनके अधिकारियों ने बनवाया|
- दो प्रकार की संरचनाएं - किले, महल, उद्यान, संरक्षित भव्य महलों वाले मकबरे।
- दूसरे थे - सार्वजनिक उपयोग के लिए मंदिर, मस्जिद, तालाब, कुएं, बाजार (उनकी प्रशंसा जीतने के लिए)
- व्यापारियों द्वारा भी निर्माण किया जाता था अर्थात मंदिर, मस्जिद के कुएँ आदि।
- (लेकिन उनकी हवेली (हवेलिया) केवल 18वीं शताब्दी तक ही बच पाई थी।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

ग्रेसियस 1 वर्ग मुगल गार्डन

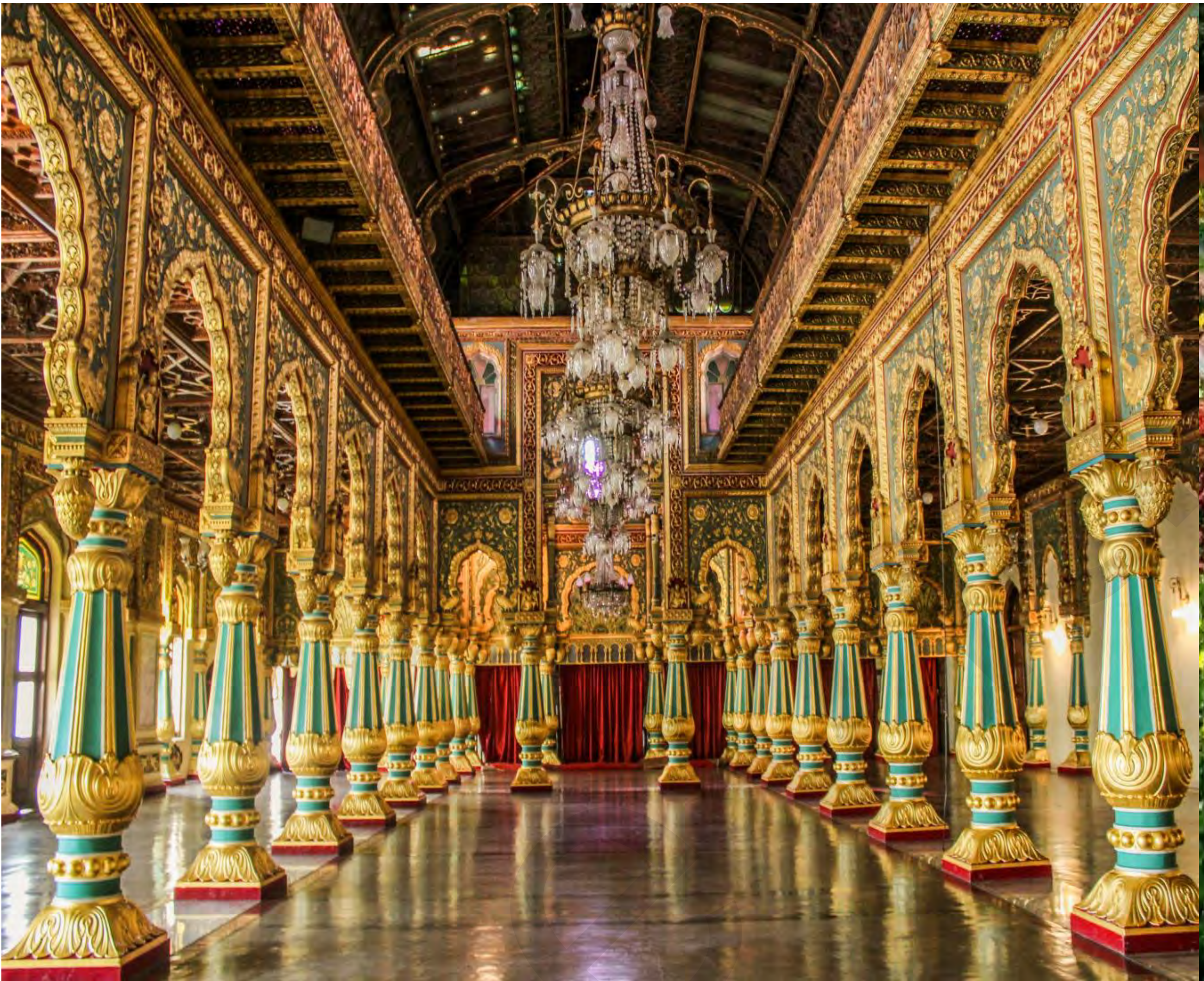

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

मंदिर 2 वर्ग मस्जिद

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

अभियांत्रिक कौशल और कार्य निर्माण

- स्मारक प्रौद्योगिकी का समृद्ध ज्ञान प्रदान करते हैं जिसका उपयोग उस युग में किया जाता है।
- हम लकड़ी के बीम या स्लैब पत्थरों की छत के साथ चार दीवारों वाला एक कमरा बना सकते हैं लेकिन एक अधिरचना बनाने के लिए, इसके लिए महान कौशल की आवश्यकता होती है।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

- 7वीं से 10वीं के बीच। आर्किटेक्ट्स ने और कमरे, दरवाजे, खिड़कियां, इमारतों को जोड़ना शुरू कर दिया।
- छत, दरवाजे, खिड़कियां अभी भी दो ऊर्ध्वाधर स्तंभों में क्षैतिज बीम बिछाकर बनाई गई थीं, वास्तुकला की एक शैली जिसे 'ट्रैबीट' या कॉर्बेल कहा जाता है।
- इसका प्रयोग 8वीं और 13वीं शताब्दी में किया गया था। मंदिरों, मस्जिदों, मकबरों और इमारतों का निर्माण करने के लिए। (जो बड़े कुओं (बावड़ियों) से जुड़े थे)

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

आइए इसका विश्लेषण करें

ट्रैबीट

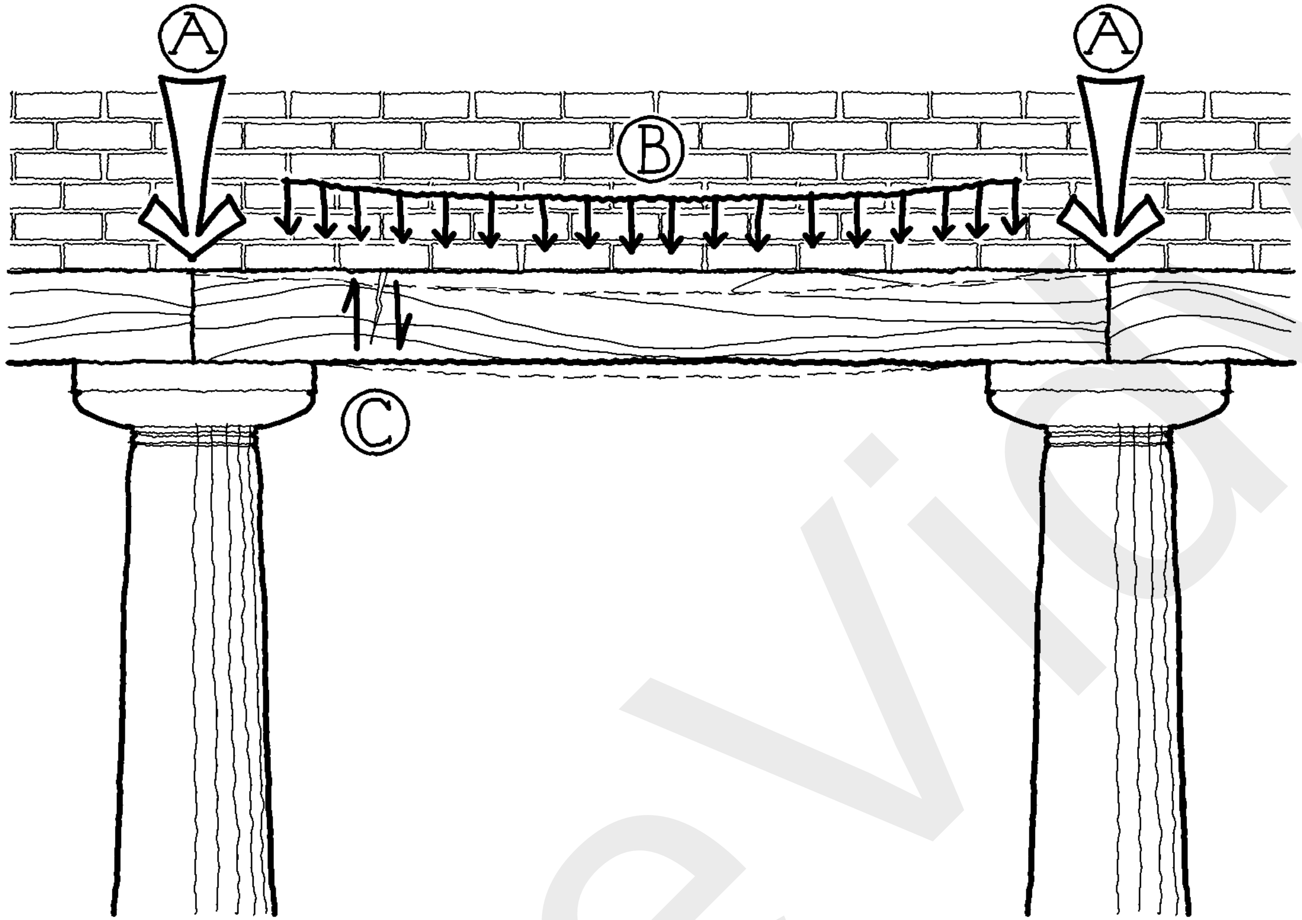

धनुषाकार

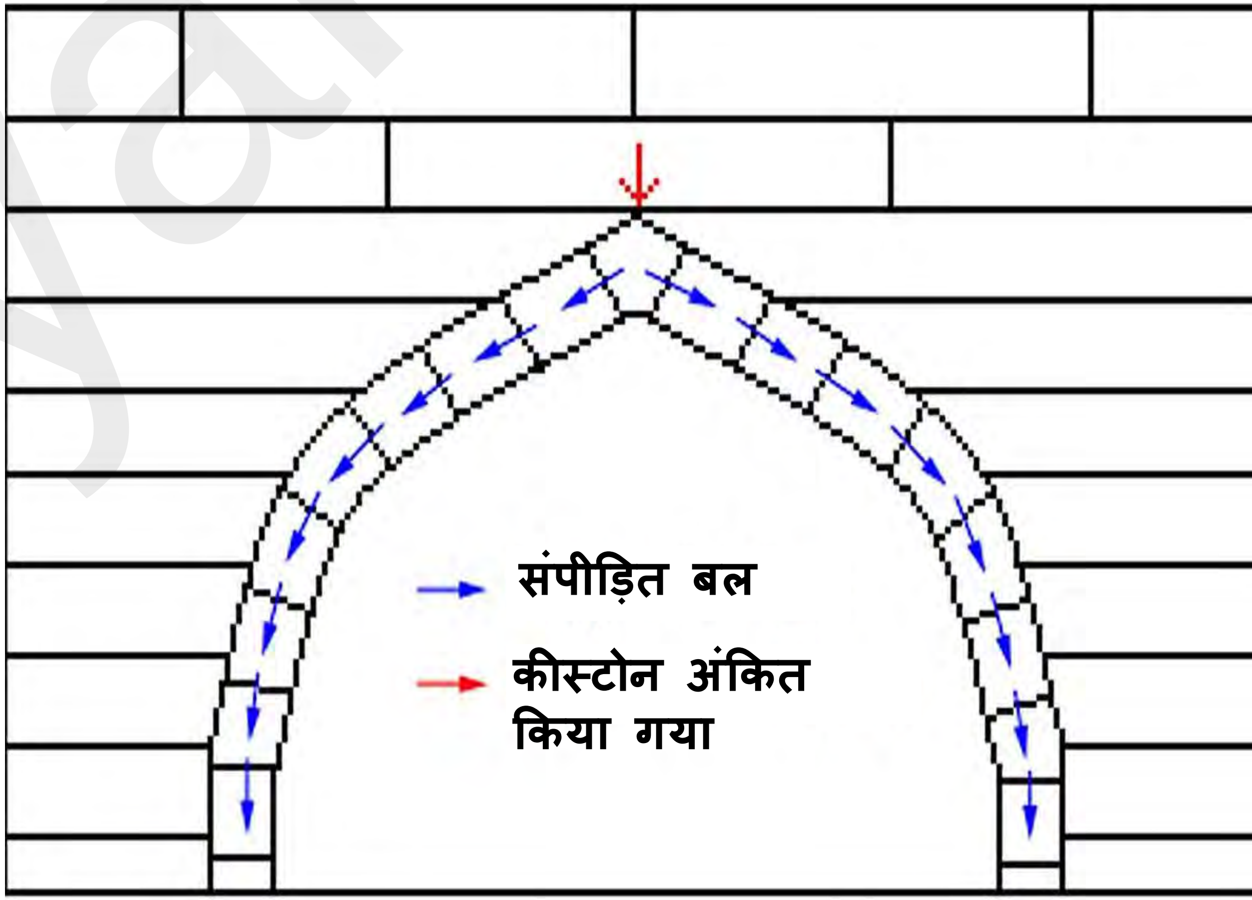

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

अर्धवृत्ताकार मेहराबदार मस्जिद

ओगी आर्च

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- दो प्रकार के स्टाइलिश विकास और प्रौद्योगिकियां देखी गईं।
- आर्क्यूएट - दरवाजों और खिड़कियों के ऊपर सुपर संरचनाओं का भार कभी-कभी मेहराबों द्वारा ढोया जाता था।
- उच्च गुणवत्ता वाले सीमेंट के रूप में मानी जाने वाली बढ़ी हुई मात्रा में चूना पत्थर का उपयोग किया गया था।
- (कंक्रीट में कठोर पत्थर के चिप्स के साथ मिश्रित) ने निर्माण को आसान और तेज बना दिया।

चूना पत्थर

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

ठोस रूप मिश्रित पत्थर के चिप्स

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

मंदिरों, मस्जिदों और हाजो का निर्माण

- मंदिरों को खूबसूरती से चित्रित और निर्मित किया गया था क्योंकि वे पूजा स्थल थे। वे निर्माता की शक्ति और धन का भी प्रदर्शन करते हैं।
- उदाहरण के लिए - राजराजेश्वर मंदिर राजा राजराजदेव द्वारा बनाया गया था (ध्यान दें कि नाम समान कैसे हैं)
- वे कभी-कभी खुद को भगवान के समान बनाने के लिए मंदिर बनाने के लिए अपने नाम का उपयोग करते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

राजारामेश्वरम मंदिर

सुंदर नक्काशी

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- एक भगवान ने दूसरे भगवान का सम्मान किया पूजा की।
- सबसे बड़े मंदिर देवताओं, देवी-देवताओं और अन्य देवताओं के राजाओं द्वारा बनाए गए थे। (भगवान की पूजा करने से साम्राज्य में एक न्यायपूर्ण नियम बनता है)
- मुस्लिम सुल्तान और पादशाह खुद को कभी भी भगवान नहीं मानते लेकिन फारसी दरबारी इतिहास उन्हें 'ईश्वर की छाया' के रूप में वर्णित करते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- कुव्वत अल-इस्लाम मस्जिद के एक शिलालेख में बताया गया है कि भगवान ने अलाउद्दीन को राजा के रूप में चुना था। वह कानून देने वाला (ईश्वर) है जो दुनिया को अराजकता से बाहर करता है।

evidyarthi

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

कुव्वत अल-इस्लाम मस्जिद

अलाउद्दीन खिलजी

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

- नया राजवंश सत्ता में आया और उसने भगवान के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए पूजा स्थल का निर्माण किया।
- शासक विद्वानों और धर्मपरायणों को भी संरक्षण प्रदान करते हैं (उन्होंने अपनी राजधानी और शहरों को दुनिया से प्रसिद्धि पाने के लिए महान केंद्रों में बदलने की कोशिश की)
- टैंकों और जलाशयों के निर्माण की अत्यधिक प्रशंसा की गई। सुल्तान इल्तुतमिश ने बाहर बड़े जलाशयों के निर्माण के लिए सार्वभौमिक सम्मान प्राप्त किया।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

बड़े जलाशय

सुल्तान इल्तुतमिशो

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

- दिल्ली-ए-कुहना को हौज-ए-सुल्तानी (राजा जलाशय) कहा जाता है।
- मंदिरों और मस्जिदों के अंदर तालाब और जलाशय छोटे और बड़े थे।
- उदाहरण - जामा मस्जिद, गुरुद्वारा।

एक शाही वास्तुशिल्पी

मुग़ल बादशाह शाहजहाँ के इतिहासकार ने शासक को 'साम्राज्य व धर्म की कार्यशाला का वास्तुशिल्पी' बताया।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

हौज़-ए-सुल्तानी

पूजा स्थलों में जलाशय

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

मंदिरों को क्यों नष्ट किया गया?

- राजाओं ने भगवान के प्रति अपनी भक्ति और अपनी शक्ति और धन को प्रदर्शित करने के लिए मंदिरों का निर्माण किया।
- राजा और शासक अक्सर इन इमारतों को निशाना बनाते हैं।
- उदाहरण के लिए - 9वीं शताब्दी की शुरुआत में। पांडियन राजा श्रीमारा श्रीवल्लभ ने श्रीलंका पर आक्रमण किया और राजा सेना को हराया (831-851)

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

- बौद्ध भिक्षु और इतिहासकार धम्मकिट्टी ने उल्लेख किया - कि उन्होंने सभी क़ीमती सामान, गहना महल में सोने से बनी बुद्ध की मूर्ति, मठों में सोने की मूर्तियाँ हटा दीं।
- अगले सिंहली शासक सेना द्वितीय ने अपने सेनापति को मदुरै (पांडियन की राजधानी) पर आक्रमण करने का आदेश दिया, उन्होंने बुद्ध की सोने की मूर्ति को पुनर्स्थापित करने के लिए भी एक विशेष प्रयास किया।

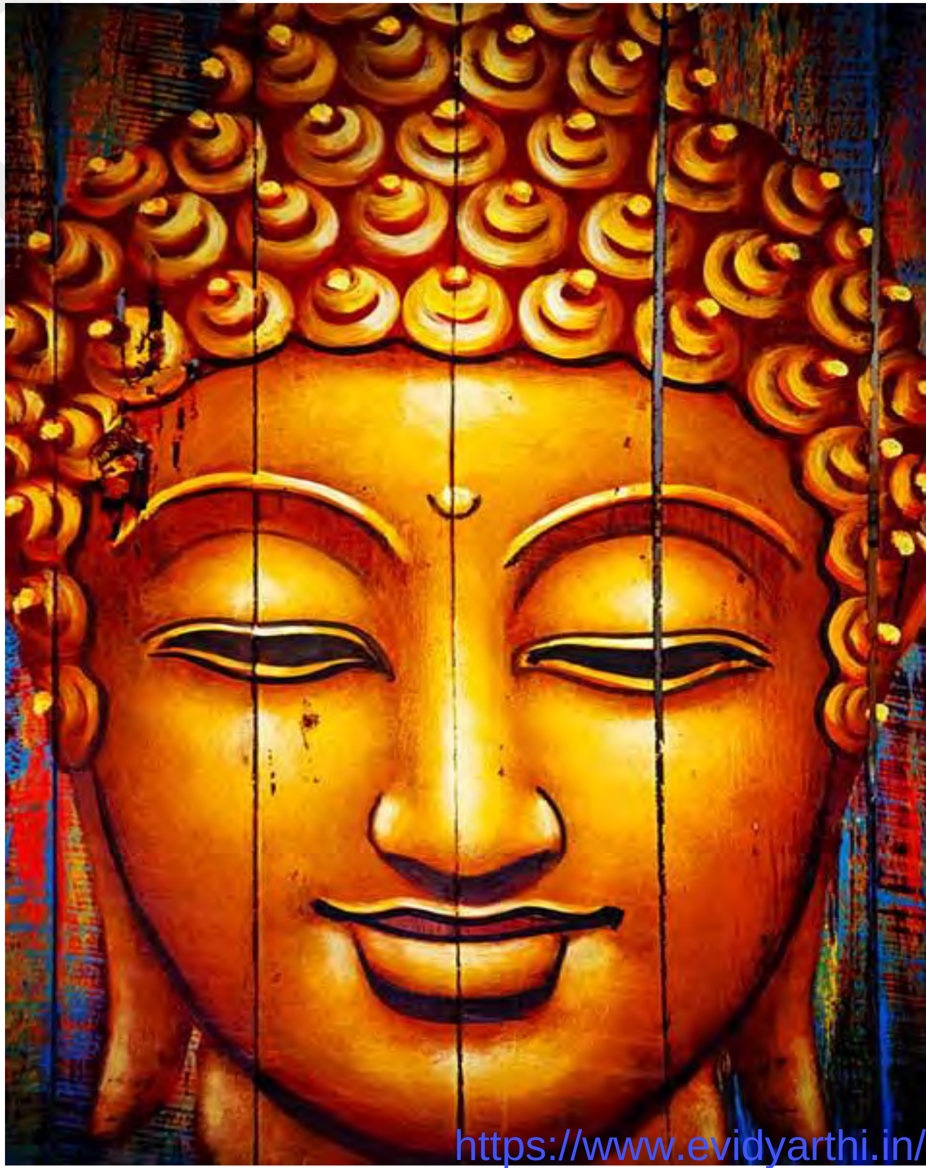

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

- 11वीं शताब्दी की शुरुआत में चोल राजा राजेंद्र प्रथम ने अपनी राजधानी में एक शिव मंदिर बनवाया। (इसे पराजित शासकों से जब्त की गई बेशकीमती प्रतिमा से भर दिया)
- कई मंदिर अधूरे थे-
- चालुक्यों से सूर्य आसन
- पूर्वी चालुक्यों की नंदी प्रतिमा
- भैरव की छवि।
- बंगाल की काली मूर्ति।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

पूर्वी चालुक्यों की नंदी प्रतिमा

भैरव की छवि

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

- सुल्तान मो. गजनी ने पराजित राजा के मंदिरों को ढेर कर दिया और उनकी संपत्ति और मूर्तियों को लूट लिया।
- उन्हें कभी भी एक महान शासक के रूप में नहीं लिया गया था, लेकिन बाद में मंदिरों को विशेष रूप से सोमनाथ को नष्ट करके इस्लाम के यहां बने।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

बाग, मकबरे और किले

- मुग़ल बादशाहों विशेषकर शाहजहाँ की शुरू से ही साहित्य, कला और स्थापत्य कला में रुचि थी।
- आयताकार दीवारों और चार तिमाहियों वाले औपचारिक उद्यान को चाहर बाग कहा जाता था।
- कुछ खूबसूरत चाहर बागों का निर्माण शाहजहाँ ने कश्मीर, आगरा और दिल्ली में किया था।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

साहित्य

कला

वास्तुकला

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

चार चौथाई चाहर बाग

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

- अकबर की स्थापत्य कला उनके एशियाई पूर्वज तैमूर के मकबरे की ओर मुड़ती थी। पूर्व केंद्रीय विशाल गुंबद, लंबा गेटवे (पिश्तक) महत्वपूर्ण मुगल वास्तुकला बन गया।

evidyarthi

www.evidyarthi.in

- हुमायूँ के मकबरे में सबसे पहले दिखाई देता है जिसे "आठ स्वर्ग" या आठ कमरों से घिरा हैश बिष्ट-केंद्रीय हॉल के रूप में जाना जाता है। लाल बलुआ पत्थर सफेद संगमरमर से बना है।
- शाहजहाँ के शासनकाल के दौरान दिल्ली और आगरा यानी दीवान-ए-खास-ओ-आम) औपचारिक हॉल और सार्वजनिक दर्शकों के हॉल में भारी मात्रा में निर्माण के साथ भव्य था।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

आठ कमरों वाला सेंट्रल मुगल हॉल

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

- बड़े आंगनों को चिहिल सुतुन या चालीस स्तंभों वाले हॉल के रूप में वर्णित किया गया था।
- उनके सिंहासन को क़िबला के रूप में वर्णित किया गया था। (मुस्लिम प्रार्थनाओं के सामने दिशा) राजाओं को भगवान के रूप में दर्शाया गया था।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

दीवान-ए-खास-ओ-आमी

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

- बड़े आंगन के रूप में चिहि्‌ल सुतुन

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- शाही न्याय और शाही दरबार की व्यवस्था पर शाहजहाँ ने अपने दरबार में (दिल्ली में लाल किला) जोर दिया था|
- सम्राटों का सिंहासन पिएत्रा ड्यूरा की एक श्रृंखला थी जिसमें महान यूनानी देवता ऑर्फियस को दर्शाया गया था।
- शाहजहाँ के हॉल के निर्माण का उद्देश्य उच्च और निम्न के साथ समान व्यवहार करना और एक साथ सद्भाव से रहना है।

पितरा-दूरा

उत्कीर्णित संगमरमर अथवा बलुआ पत्थर पर रंगीन, ठोस पत्थरों को दबाकर बनाए गए सुंदर तथा अलंकृत नमूने।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

शाही न्याय न्यायालय

पिएत्रा ड्यूरा

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

- प्रारंभिक दिनों में आगरा शाहजहाँ की राजधानी थी (यमुना नदी के तट पर वहाँ रहने वाले कुलीनों की) इतिहासकार इसके चाहर बाग प्रारूप के कारण इसे रिवर फ्रंट गार्डन कहते हैं।
- शाहजहाँ ताजमहल लेआउट (उनके शासनकाल की सबसे बड़ी वास्तुकला उपलब्धि) में नदी के सामने के बगीचे का उपयोग करता है।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

- उनके सबसे बड़े बेटे दराशिकोह जैसे विशेष रूप से इष्ट रईसों को ही नदी में घर बनाने की अनुमति दी गई थी।
- अन्य लोग यमुना नदी से दूर शहरों में रहते थे।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

क्षेत्र व सामाज्य

- जैसा कि 8वीं और 18वीं में निर्माण बढ़ रहा था। क्षेत्रों में विचारों को साझा करने के साथ। (उन्हें दूसरे द्वारा अपनाया गया था)
- उदाहरण के लिए - विजयनगर, शासकों के हाथी अस्तबल बीजापुर और गोलकुंडा में पाई जाने वाली वास्तुकला की शैली से काफी प्रभावित थे।
- उदाहरण के लिए - मथुरा मंदिरों के पास वृंदावन का निर्माण फतेहपुर सीकरी के मुगल महलों के समान किया गया था।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

बीजापुर और गोलकुंडा वास्तुकला

विजयनगर वास्तुकला

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

वृंदावन मंदिर फतेहपुर सीकरी के समान थे

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

- मुगल शासक क्षेत्रीय स्थापत्य शैली को अपनाने में विशेष रूप से कुशल थे।
- मुगलों ने अपनी वास्तुकला में इस्तेमाल किए गए बांग्ला गुंबद (फूस की झोपड़ी) का भी इस्तेमाल किया।
- अकबर की राजधानी फतेहपुर सीकरी में कई इमारतें गुजरात और हलवा की स्थापत्य शैली का प्रभाव दिखाती हैं।
- यहां तक कि 18वीं शताब्दी में मुगल शासक का अधिकार भी कमजोर हो गया। फिर भी कई नए राज्यों ने अपनी स्थापत्य शैली को अनुकूलित किया।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 5 शासक और इमारतें (NCERT)

www.evidyarthi.in

बांग्ला झोपड़ी और गुजरात हलवा से मुगलों को मिली प्रेरणा

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

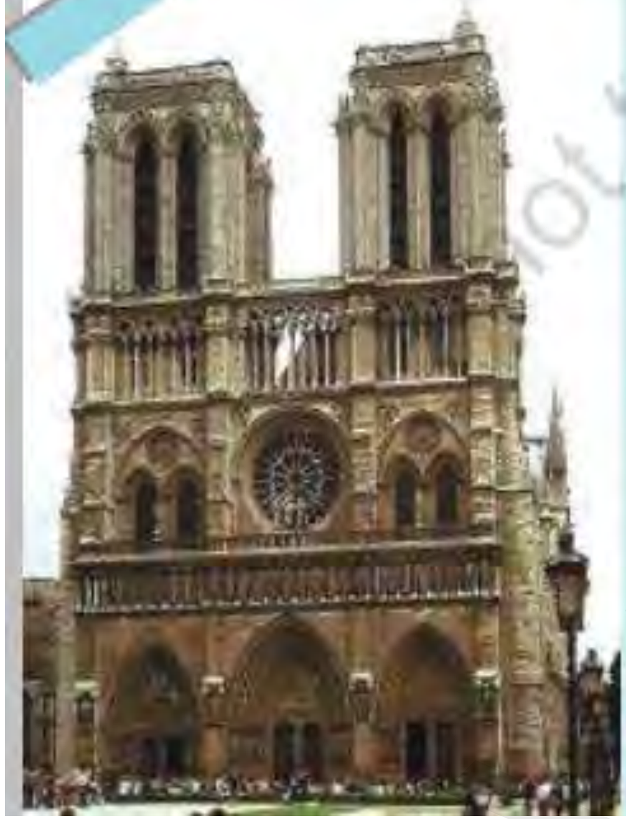

आसमान छूते चर्च

बारहवीं शताब्दी से फ्रांस में आरंभिक भवनों की तुलना में अधिक ऊँचे व हलके चर्चों के निर्माण के प्रयास शुरू हुए। वास्तुकला की यह शैली 'गोथिक' नाम से जानी जाती है। इस शैली की विशिष्टताएँ हैं–नुकीले ऊँचे मेहराब, रंगीन काँच का प्रयोग, जिसमें प्राय: बाइबिल से लिए गए दृश्यों का चित्रण है तथा उड़ते हुए पुश्ते। दूर से ही दिखने वाली ऊँची मीनारें और घंटी वाले बुर्ज़ बाद में चर्च से जुड़े।

इस वास्तुकलात्मक शैली के सर्वोत्कृष्ट ज्ञात उदाहरणों में से एक पेरिस का नाट्रेडम चर्च है। बारहवीं और तेरहवीं शताब्दियों के कई दशकों में इसका निर्माण हुआ।

? *चित्र पर एक नज़र डालें और घंटी वाले बुर्जों को पहचानने की कोशिश करें।*

https://www.evidyarthi.in/